

नामांक

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

No. of Sections — 3

SS—32—SH.HD. (Hindi)

No. of Printed Pages — 7

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2013
SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2013
हिन्दी शीघ्रलिपि
(SHORTHAND HINDI)

समय — 3 $\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक — 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।
2. तीनों खण्ड एक ही बैठक में लिखाये जायें ।
3. प्रथम एवं द्वितीय खण्डों तथा द्वितीय एवं तृतीय खण्डों के बीच में 4-4 मिनट का मध्यान्तर दिया जाये ।
तीनों खण्डों के संकेत लिपि श्रुतलेखों के हिन्दी अक्षरीकरण के लिए 2 $\frac{3}{4}$ घंटे का समय दिया जाए ।
4. केवल निम्न विराम-चिह्न ही लगाएं :
पूर्ण विराम, अर्द्ध-विराम और प्रश्न-चिह्न एवं कोष्ठक ।
5. संकेत लिपि पेन्सिल से लिखा जाए तथा उसका अनुवाद हिन्दी में टंकण यंत्र / कम्प्यूटर से ही टंकित किया जाय । हाथ से लिखा मान्य नहीं होगा ।
6. संकेत लिपि में लिखा हुआ श्रुतलेख उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कर दिया जाए ।
7. संकेत लिपि के 20% अंक रखे गये हैं ।
8. खण्ड प्रथम 4 मिनट, खण्ड द्वितीय 5 मिनट तथा खण्ड तृतीय 7 मिनट लिखवाने के रखे गए हैं । प्रत्येक खण्ड 80 शब्द प्रति मिनट की गति से बोला जाय ।

प्रथम खण्ड

10

(इसे 80 शब्द प्रति मिनट की गति से लिखाया जाए ।)

महेन्द्रा शू स्टोर

(थोक एवं फुटकर विक्रेता)

बी / II - 115

न्यू टावर, स्टेशन रोड,

सदर बाजार, जामनगर / (गुजरात) $\frac{1}{4}$

पत्र क्रमांक 1680 / 18 / गुज०

दिनांक 25 मई, 2012

व्यवस्थापक,

बाटा शू कम्पनी,

बी / 702 / तृतीय क्षेत्र, औद्योगिक नगर, /

नई दिल्ली ।

विषय : गलत माल भेजने के क्रम में ।

प्रिय महोदय,

हमारे द्वारा माह अप्रैल 2012 में प्रेषित / क्रयादेश में आज जूतो व चप्पलों के पार्सल प्राप्त $\frac{3}{4}$
हुए । जूतों व चप्पलों के पार्सल खोलने पर ज्ञात // हुआ कि माल हमारे द्वारा दिये गये वर्णन एवं 1
हमारी अपेक्षा के अनुरूप नहीं है । हमने 50 जोड़ी 3 से 9 / नम्बर तक की डायमण्ड लेडिज $1\frac{1}{4}$
चप्पलों के तथा 100 जोड़ी 6 से 10 नम्बर के श्री स्टार सेण्डलों के आदेश / दिये थे, परन्तु अत्यन्त $1\frac{1}{2}$
खेद के साथ लिखना पड़ रहा है कि डायमण्ड लेडिज चप्पलों के स्थान पर गोल्ड सुपर / लेडिज $1\frac{3}{4}$
चप्पल एवं श्री स्टार सेण्डलों के स्थान पर आपने वरुण सेण्डल भेज दिये हैं ।

आप द्वारा भेजे गये // माल की मांग हमारे यहाँ पर बहुत ही कम है । आप द्वारा भेजे गये	2
माल का स्टॉक हमारे पास / पहले ही पर्याप्त मात्रा में है । आप द्वारा भेजे गये इस प्रकार के माल से	2 $\frac{1}{4}$
हमें व्यावसायिक हानि हुई है / । हमारे द्वारा भेजे गये क्रयादेश के अमाव से हमारे अनेक ग्राहकों को	2 $\frac{1}{2}$
निराश लौटना पड़ा है ।	
इस पत्र के प्राप्त / होते ही आप शीघ्र ही हमारे आदेशानुसार लेडिज चप्पले व सैंडिल भिजवाने	2 $\frac{3}{4}$
का कष्ट करें । आप द्वारा भेजे गये माल का // पार्सल यथावत रखा हुआ है । यदि आप इस माल	3
पर 30 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट दे सके तो हम इस माल / को रख सकते हैं अन्यथा आपके	3 $\frac{1}{4}$
निर्देशानुसार हम आपके माल को वापस भिजवा देंगे ।	
आशा है आप हमारे आदेशित / माल को शीघ्र ही भिजवा देंगे तथा भेजे गये गलत माल के	3 $\frac{1}{2}$
सम्बन्ध में आप अपना निर्णय शीघ्र ही ले लेंगे / एवं आगे से इस प्रकार की शिकायत का मौका नहीं	3 $\frac{3}{4}$
देंगे ।	
धन्यवाद ।	
भवदीय	
महेन्द्रा शू स्टोर के लिए,	
महेन्द्र	
प्रबन्धक //	

2.	द्वितीय खण्ड	10
	(इसे प्रति मिनट 80 शब्दों की गति से लिखाए जाए ।)	
	राजस्थान सरकार	
	मंत्रि मंडल सचिवालय	
	क्रमांक प 15 (108) म० म० । 2012	जयपुर, दिनांक 25 जूलाई 2012/
	परिपत्र	$\frac{1}{4}$
	विषय : जिला स्तर पर मंत्रि मण्डल बैठकों का आयोजन ।	
	जिला की समस्याओं का गहन अध्ययन पर क्षेत्रीय विकास / की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते	$\frac{1}{2}$
	हुए विकास और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक गति देने हेतु राज्य सरकार ने जिला स्तर पर /	$\frac{3}{4}$

मंत्रि मण्डल की बैठकों का आयोजन करने का निर्णय लिया है । मंत्रि मण्डल की जिला स्तर बैठकों में // निम्न विषयों पर विचार कर निर्णय किया जायेगा ।

- (1) नियमित विषय सूची
- (2) श्रमिकों के लिए एवं अल्प आय / वर्ग, बी० पी० एल० परिवारों के लिए गृह निर्माण । $1 \frac{1}{4}$
- (3) प्रशासन द्वारा प्रेषित एवं प्रभारी मंत्री द्वारा / सूची बद्ध जिले एवं क्षेत्र से सम्बन्धित समस्याओं पर विचार । $1 \frac{1}{2}$
- (4) जिले की विभिन्न पेयजल समस्याओं यथा नलकूप, नवीन / पाइप लाइने, हैण्ड पम्प खुदवाना एवं खराब हैण्ड पम्पों को ठीक करवाना आदि पर विचार एवं क्रियान्वयन । $1 \frac{3}{4}$
- (5) वर्ष // 2012 - 2013 के लिए योजना मद से स्वीकृत बजट राशि रिलिज करवाने के बारे में विचार ।
- (6) अनिवार्य शिक्षा / के अन्तर्गत शत प्रतिशत छात्र / छात्राओं का विद्यालय में प्रवेश, मिडडे मील की व्यवस्था, छात्रों का विद्यालय में अधिकतम / ठहराव, शुद्ध पानी की व्यवस्था, शौचालयों की व्यवस्था आदि पर विचार । $2 \frac{1}{4}$ $2 \frac{1}{2}$
- (7) कतिपय विभिन्न विभागीय प्रकरण जो समन्वय के / अभाव में अवशेष हैं । $2 \frac{3}{4}$
- (8) विभिन्न संस्थाओं द्वारा सत्र 2011 में मेरिट के आधार पर किये गये प्रवेश के // लिए मानदेय दिये जाने के क्रम में । 3

जिलों में मंत्रि मण्डल की बैठकों में विचारणीय विषयों के बारे में आदेशानुसार / लेख है कि $3 \frac{1}{4}$

सम्बन्धित कलेक्टर, सम्बन्धित शासन सचिव गण, क्षेत्रीय व जिले से सम्बन्धित समस्याएँ जिनका मंत्रि

मण्डल स्तर पर समाधान होना है, / सम्बन्धित मंत्रीगण के माध्यम से मंत्रीमण्डल सचिवालय में 3½
 प्रेषित करेंगे । सम्बन्धित जिले के प्रभारी मंत्री महोदय, की जिले में / मंत्री मण्डल बैठक से पर्याप्त 3¾
 समय पूर्व क्षेत्र व जिले की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सूची बद्ध करने का कष्ट करेंगे ।

ह —

उपशासन सचिव //

4

पत्रांक : 16 (108) म० म० / 2012 दिनांक 25 जुलाई, 2012

प्रतिलिपि सूचनार्थ व आवश्यक कार्यवाही हेतु : /

4½

1. सम्बन्धित जिले के सांसद ।
2. सम्बन्धित विधान सभा क्षेत्र के विधायक ।
3. जिला कलेक्टर अपने जिले में मंत्री मंडलीय आवश्यक बैठकों / का आयोजन करने हेतु 4½
 आवश्यक प्रबन्धन करें ।
4. आयुक्त, माध्यमिक शिक्षा विभाग, राजस्थान, बीकानेर ।
5. मुख्य अभियन्ता, जनस्वास्थ्य / अभियान्त्रिकी विभाग, जयपुर । 4¾
6. जिला प्रमुख, ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं का हल हेतु सम्बन्धित जन प्रतिनिधियों को बैठक
 में आने हेतु पाबन्द करे ।// 5

ह —

उपशासन सचिव

- वर्तमान की उपेक्षा व तिरस्कार / भविष्य को चौपट करने वाला है । हम समझते हैं कि हम $2\frac{1}{4}$
- अभी मरेंगे नहीं, इसलिए जल्दीबाजी करने की जरूरत / क्या है । कल तो अपना है । विचारणीय $2\frac{1}{2}$
- तय यह है कि जिसने आज नहीं सहेजा, संवारा उसका / कल कैसे सुरक्षित रह पायेगा । हम लगे $2\frac{3}{4}$
- हैं भौतिक-सुविधाएँ जुटाने में "सामान सौ बरस का पल भर // की खबर नहीं ।" मध्यम वर्गीय 3
- परिवार में आज इतना खर्च सामान मिल जायेगा कि घर कबाड़ खाना मालूम होगा / लेकिन हमने $3\frac{1}{4}$
- मोह पाला है, इसे नहीं बेचेंगे क्या पता कब काम आ जाए ? अधिकतर घर अनुपयोगी खर्च / सामान $3\frac{1}{2}$

भविष्य मान लिया है ।

- में रखते हैं और अपनी जीवन पद्धति में // हमने स्वयं दुख को अपना अतीत व वर्तव्य को अपना 2
- कब उतार में शामिल हो जाती है इसका / हमें भान नहीं रहता । हम केवल दुःख व वर्तव्य को ध्यान $1\frac{3}{4}$
- स्वभावगत और प्रकृति जन्म पड़ाव / है । जो घाटी जाते समय हमें वर्तव्य लगती है, वही आते समय $1\frac{1}{2}$
- व सामर्थ्य / को जीवन भर नकारते रहते हैं । सुख और दुख, उतार-चढ़ाव हमारे जीवन के $1\frac{1}{4}$
- मात्र // हमारे पास एक पल ही है जो उपस्थित है और हम उस उपस्थित और उत्सुक पल की ऊर्जा
- लगातार उपेक्षा करते हैं । अपने जीवन की इच्छाएँ, आकांक्षाएँ और उपेक्षाओं को पूरा करने के लिए
- जाते हैं । एक दिन नहीं बल्कि एक पल ही महत्त्व का है और इसे हम जीना नहीं / चाहते इसकी
- जीने वाले बिरले ही होते हैं और जो वर्तमान को जीना सीख लेते हैं, वे कई विन्ताओं से / मुक्त हो
- अधिकतर लोग या तो अतीत में जीते हैं या फिर भविष्य की चिन्ता करते हैं । / वर्तमान में

आज में जीना, सच्चा जीना

(इसे 80 शब्द प्रति मिनट की गति से लिखाया जाए ।)

तृतीय खण्ड

20

3.

की वजह से कबाड़खानों में तब्दील हो गये हैं । लेकिन हम हैं कि यह सोचना ही नहीं / चाहते कि $3\frac{3}{4}$
 — “कफन में जेबे नहीं होती ।” यह नकारात्मक विचार नहीं है, जीवन का यथार्थ है । प्रतिस्पर्धा
 // व और भागमभाग को हमने जन्म दिया है । ईर्ष्या और आशंका हमारे जीवन की शैली बन गई 4
 है । / अपने मित्र स्वजन और प्रियतम को भी हम अपना प्रतिद्वन्दी मानने लगे हैं जबकि परम सत्य $4\frac{1}{4}$
 यह है कि — सरोवर में यदि हंस / रहने आये तो इससे बगुलों को कोई हानि नहीं होगी क्योंकि हंसों $4\frac{1}{2}$
 का भोजन कमलों पर निर्भर है और बगुलों / का मछलियों पर । प्रतिस्पर्धा व प्रतिद्वन्दिता का हौवा $4\frac{3}{4}$
 हमने खड़ा किया है । प्रकृति ने सभी जीवों की व्यवस्था की है । // 5

महान विचारक बेस्टफील्ड का मत है कि “मैं तुम्हें यहीं शिक्षा दूंगा कि तुम क्षणों का ध्यान
 रखो घण्टे / स्वयं अपना ध्यान रखेंगे” । हमारी यहीं फितरत है कि हम सदैव दूसरों का ध्यान रखने $5\frac{1}{4}$
 में अपनी अपार समय / ऊर्जा और शक्ति का अपव्यय करते हैं । यदि यहीं समय ऊर्जा शक्ति का $5\frac{1}{2}$
 उपयोग स्वयं को देखने में करें / तो हम असली जीवन जीना सीख सकते हैं । समय सत्य है इससे $5\frac{3}{4}$
 मुकरना नहीं मुस्कराना सीखो । समय का // सदुपयोग ही अपने जीवन को सार्थक कर सकता है । 6
 समय अखण्ड, अनन्त और अमर है । वह कभी / बीतता नहीं, बीतते तो हम हैं । समय को सही $6\frac{1}{4}$
 अर्थों में जानना ही सच्ची कला है ।

बुनकर टी० / वांशिगटन का कथन है — आज का दिन ही जीवन का अन्तिम दिन है $6\frac{1}{2}$
 / कल की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन हम कल पर ही निर्भर होते दिखाई देते $6\frac{3}{4}$
 हैं । // हमें इस विषय पर गम्भीरता से सोचना है । 7

=====